अयोध्या राम मंदरि

चर्चा में क्यों ?

राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा या अभिषेक समारोह सरयू तटबंध पर विष्णु पूजा और गौ दान के साथ शुरू होगा।

मुख्य बिंदु:

- **अयोध्या राम मंदरि का लेआउट**:
  - मंदरि 20-20 फुट ऊँची तीन मंज़िलों पर बना है, जिनमें कुल 392 खंभे और 44 दरवाज़े हैं।
  - निर्माण में मकराना **संगमरमर और गुलाबी बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट पत्थर एवं रंगीन संगमरमर** का उपयोग किया गया है।
  - मंदरि की नींव **रोलर-कॉम्पैक्ट कंक्रीट की 14 मीटर मोटी परत से बनी है और ज़मीन की नमी से बचाने के लिये 21 फुट ऊँचा ग्रेनाइट** प्लिंथ लगाया गया है।
  - **निर्माण में कहीं भी लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है।**
- मंदरि की स्थापत्य शैली, **गर्भगृह , मंडप (हॉल) और मंदिरों के** साथ नागर शैली है।
- परिसर का प्रत्येक कोने में **सूर्य, भगवती, गणेश, शिव की मूर्ति स्थापित होगी** । उत्तरी और दक्षिणी भुजाओं पर क्रमशः अन्नपूर्णा तथा हनुमान के मंदरि बनाए जाएंगे।
- महर्षि वाल्मिकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य, निषाद राज, शबरी आदि के मंदरि भी प्रस्तावित हैं।

मंदरि वास्तुकला की नागर शैली

- इसे पहली बार उत्तर भारत में **5वीं शताब्दी ईस्वी में गुप्त काल के दौरान** विकसित किया गया था, यह शैली उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी भारत (बंगाल क्षेत्र को छोड़कर) में लोकप्रिय है, खासकर मालवा, राजपुताना एवं कलिंग के आसपास के क्षेत्रों में।
- **यह एक साधारण पत्थर के मंच पर बनाया गया है जिसमें मंदरि तक जाने के लिये सीढ़ियाँ हैं।**
- **इसकी विशेषताओं में शामिल हैं:**
  - **शिखर:** गर्भगृह हमेशा उच्चतम शिखर के ठीक नीचे स्थित होता है। शिखर पर एक कलश (अमलका) भी स्थापित है।
    - **शिखर** के प्रकार: रेखा-प्रसाद या लैटिना (ओडिशा का श्रीजगन्नाथ मंदरि), शेखरी (खजुराहो कंदारिया महादेव मंदरि), वलभी (तेली का मंदरि), फमसाना (कोणार्क मंदरि का जगमोहन)।
- **चारदीवारी या प्रवेश द्वार का अभाव।**
- वे उड़ीसा शैली, चंदेल शैली और सोलंकी शैली हैं।

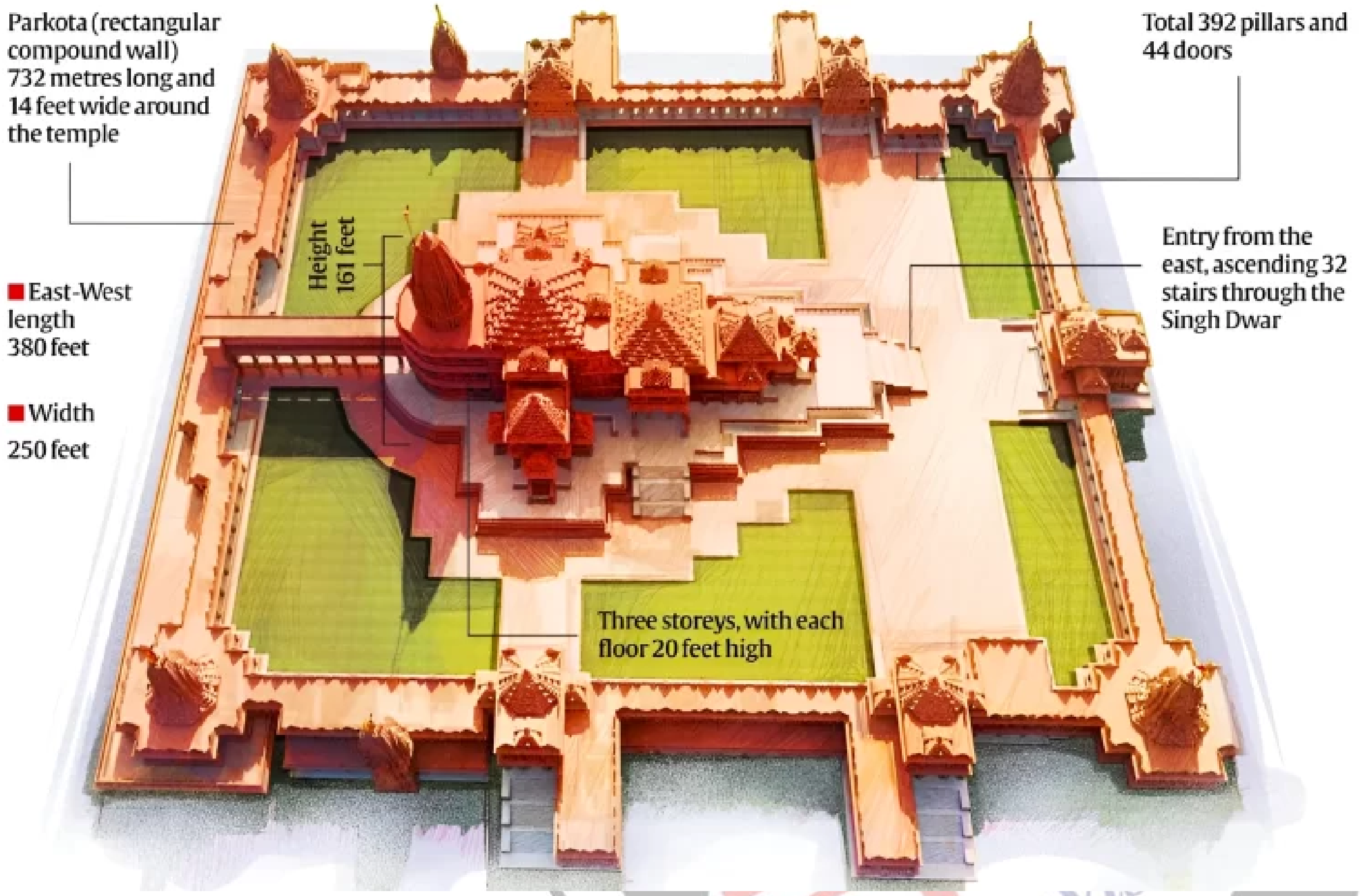

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ayodhya-ram-mandir-1